Publication	Hindustan Times
Language/Frequency	English/Daily
Page No.	I (Gurgaon Page)
Date	10th October 2016

hindustantimes

A DAY TO REMEMBER

Modi unveils bust of Deen Dayal Upadhyay

GURGAON: PM Narendra Modi unveiled city-based artist Naresh Kumawat's sculpted bust of Deen Dayal Upadhyay at a function in New Delhi's Vigyan Bhawan on Sunday.

"Paying tributes to Deendayal Ji, whose thoughts & ideals of serving the farmers, poor & the marginalised continue to guide us," the Prime Minister tweeted, using a photo of Kumawat's work in the background.

The structure is moulded by glass fibre and has a copper coating to prevent it from rust. It measures over four feet, with the bust itself measuring 22 inches in length and weighing over 50kg.

Kumawat said that the structure was built in 35 days at his art centre in Manesar.

"This day will stay with me for the rest of my life. I have dedicated 35 days to build this bust, keeping aside nearly seven hours daily for its creation," the 38-year-old artist said.

Kumawat did not take a fee for his creation and claims he has donated it as a work of charity. He said that he has expressed his desire to the PM to unveil a statue sculpted by him during Haryana Day celebrations on November 1 in Gurgaon, where the PM is scheduled to be the chief guest.

Originally from Jhunjhunu district of Rajasthan, Naresh and his family have settled in Gurgaon since the last sixteen years.

His father, Matturam, designed and created the Shiv Murthi at Mangal Mahadeva Birla Kanan in Rangpuri. Naresh's grandfather, Hanuman Prasad, also built sculptures at Sikar in Rajashtan.

HTC

Gurgaon-based sculptor Naresh Kumawat in Delhi on Sunday.

Publication	Hindustan
Language/Frequency	Hindi/Daily
Edition	Gurgaon
Page No.	01
Date	10th October 2016

हिन्दुस्तान

शहर के शिल्पी ने बनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा

भावों को चेहरे पर बखूबी उकेरते हैं नरेश

गुड़गांव | मुख्य संवाददाता

उनके हाथों में जादू है। जब उनकी कूची और अंगुलियां चलती हैं तो नायाब कला उकेरे बिना नहीं रह सकतीं। इसका ताजा उदाहरण रविवार को दिल्ली में स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा है। जी हां बात गुड़गांव के शिल्पी नरेश कुमावत की हो रही है। गुड़गांव के डीएलएफ फेज दो निवासी 38 वर्षीय नरेश कुमावत ने बनाई थी। नरेश कहते हैं आज का दिन उन्हें जीवन भर याद रहेगा।

जनसंघ के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स मानेसर के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत को 35 दिन लगे। इन 35 दिन में उन्होंने प्रतिदिन 5 से 6 घंटे कार्य किया। बकौल नरेश कुमार, 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय की ज्यादा संख्या में वास्तविक तस्वीरें नहीं हैं।

बड़ी मुश्किलें से 5-6 फोटो मिली जिससे त्रिआयामी प्रतिमा बनाना कठिन तो होता ही है।' पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रभावित नरेश कुमार कुमावत ने आखिकार यह प्रतिमा तैयार कर ली। प्रतिमा को फाइबर ग्लास की मदद से बनाया गया जिस पर अष्टधातु की परत चढ़ाई गई। इससे प्रतिमा की उम्र बढ़ जाती है।'

नरेश कुमावत दीनदयाल की प्रतिमा को अंतिम रूप देते हुए। ● हिन्दुस्तान

नहीं लिया कोई शुल्क

पंडित दीन दयाल उपाध्याय के प्रति उनका लगाव था कि उन्होंने इस प्रतिमा निर्माण के लिए कोई शुल्क नहीं लिया। वह कहते हैं कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने निर्धनता मुक्त, भेदभाव मुक्त और शोषण मुक्त समाज की कल्पना की थी। पंडित जी का राजनीतिक चिंतन गरीबों पर केंद्रित था। मेरे लिए गौरव की बात है कि मुझे इतने बड़े कार्य के लिए चुना।

विरासत में मिली मूर्तिकला

मूल रूप से राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पिलानी कस्बा के निवासी नरेश कुमार पिछले 15 वर्षों से गुड़गांव में रह रहे हैं। उनके पिता 75 वर्षीय मूर्तिकार मातूराम राम की बनाई प्रतिमाएं देश विदेश में प्रतिष्ठित स्थानों पर लगाई गई हैं। उन्हें आदमकद प्रतिमा बनाने में महारत हासिल है।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	Hindustan
Language/Frequency	Hindi/Daily
Edition	Faridabad
Page No.	22
Date	10th October 2016

हिन्दुस्तान

शहर के शिल्पी ने बनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा

भावों को चेहरे पर बखूबी उकेरते हैं नरेश

गुड़गांव | मुख्य संवाददाता

उनके हाथों में जादू है। जब उनकी कूची और अंगुलियां चलती हैं तो नायाब कला उकेरे बिना नहीं रह सकतीं। इसका ताजा उदाहरण रविवार को दिल्ली में स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा है। जी हां बात गुड़गांव के शिल्पी नरेश कुमावत की हो रही है। गुड़गांव के डीएलएफ फेज दो निवासी 38 वर्षीय नरेश कुमावत ने बनाई थी। नरेश कहते हैं आज का दिन उन्हें जीवन भर याद रहेगा।

जनसंघ के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स मानेसर के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत को 35 दिन लगे। इन 35 दिन में उन्होंने प्रतिदिन 5 से 6 घंटे कार्य किया। बकौल नरेश कुमार, 'पंडित दीन दयाल उपाध्याय की ज्यादा संख्या में वास्तविक तस्वीरें नहीं हैं। बड़ी मुश्किलें से 5-6 फोटो मिली जिससे त्रिआयामी प्रतिमा बनाना कठिन तो होता ही है।' पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रभावित नरेश कुमार कुमावत ने आखिकार यह प्रतिमा तैयार कर ली। प्रतिमा को फाइबर ग्लास की मदद से बनाया गया जिस पर अष्टधातु की परत चढ़ाई गई। इससे प्रतिमा की उम्र बढ़ जाती है।'

नरेश कुमावत दीनदयाल की प्रतिमा को अतिम रूप देते हुए। ● हिन्दुस्तान

नहीं लिया कोई शुल्क

पंडित दीन दयाल उपाध्याय के प्रति उनका लगाव था कि उन्होंने इस प्रतिमा निर्माण के लिए कोई शुल्क नहीं लिया। वह कहते हैं कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने निर्धनता मुक्त, भेदभाव मुक्त और शोषण मुक्त समाज की कल्पना की थी। पंडित जी का राजनीतिक चिंतन गरीबों पर केंद्रित था। मेरे लिए गौरव की बात है कि मुझे इतने बड़े कार्य के लिए चुना।

विरासत में मिली मूर्तिकला

मूल रूप से राजस्थान के झुंझुनूं जिले के पिलानी कस्बा के निवासी नरेश कुमार पिछले 15 वर्षों से गुड़गांव में रह रहे हैं। उनके पिता 75 वर्षीय मूर्तिकार मातूराम राम की बनाई प्रतिमाएं देश विदेश में प्रतिष्ठित स्थानों पर लगाई गई हैं। उन्हें आदमकद प्रतिमा बनाने में महारत हासिल है।

Publication	Dainik Bhaskar
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	01
Date	10th October 2016

दैनिक भास्कर

गुड़गांव के मूर्तिकार द्वारा बनाई गई दीनदयाल की मूर्ति का पीएम ने किया अनावरण

गुड़गांव. विज्ञान भवन, दिल्ली में गुड़गांव के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का पीएम नरेंद्र मोदी ने अनावरण किया।

भास्कर न्यूज़ | गुड़गांव

विज्ञान भवन दिल्ली में रविवार को आयोजित दीनदयाल उपाध्याय संपूर्ण वांग्मय के लोकार्पण मौके पर गुड़गांव के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने अपने ट्विटर अकाउंट से भी इस मूर्ति को ट्वीट किया हैं। मूर्तिकार नरेश ने देश विदेश सहित हजारों मूर्तियों को मूर्त रूप दिया हैं। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति भी इन्होंने ही बनाई हैं।

कनाडा, नेपाल और मॉरीशस में भी इन्होंने विशालकाय मूर्ति बना कर भारत की संस्कृति को ऊंचा किया है। इस मौके पर खुशी जताते हुए मूर्तिकार नरेश ने बताया कि एक कलाकार के कार्य को देश का

गुड़गांव. मूर्तिकार मूर्ति बनाते हुए।

प्रधानमंत्री अगर अनावरण कर रहा है तो इससे बढ़ कर खुशी क्या हो सकती हैं। नरेश ने 1 नवम्बर को होने वाले हरियाणा दिवस समारोह में भी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अनोखी मूर्ति भेंट करने की इच्छा जताई है। उन्होंने बताया की अगर मौका मिला तो वह प्रधानमंत्री सहित अन्य मेहमानों के लिए हरियाणा से जुड़ी संस्कृति जरूर भेंट करना चाहेंगे।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	Punjab Kesari
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	02
Date	10th October 2016

पंजाब केसरी

पी.एम. ने किया मूर्ति का अनावरण

देश-विदेशों में कई जगह मूर्तियां बना चुका है नरेश कुमार कुमावत

गुड़गांव, 9 अक्तूबर (ब्यूरो): दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय संपूर्ण वांग्मय के लोकार्पण के मौके पर गुड़गांव स्थित मातु राम आर्ट सैंटर्स के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत की बनाई दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने अपने ट्विटर अकाउंट से भी इस मूर्ति को ट्वीट किया है। ऐसे में गुड़गांव शहर आई.टी. के अलावा कला एवं संस्कृति के लिए भी जाना जाएगा। मातु राम आर्ट सैंटर्स के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने देश-विदेश सहित हजारों मूर्तियों को रूप दिया है। महिपालपुर, रंगपुरी दिल्ली जयपुर हाईवे पर स्थित शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति भी इन्होंने ही बनाई थी। विशाल मूर्ति बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स भारत में पहला स्थान प्राप्त करता हैं। इसके अलावा कनाडा, नेपाल और मॉरीसस में भी इन्होंने विशालकाय मूर्ति बनाकर हमारी संस्कृति व भारतदेश के नाम को ऊंचा किया हैं। हरियाणा सरकारद्वारा मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत को मूर्ति बनाने के लिए सम्मानित भी किया जा चुका है। मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने बताया कि एक कलाकार के कार्य को देश का प्रधानमंत्री अगर अनावरण कर रहा है तो इससे बढ़कर खुशी क्या हो सकती है। उन्होंने आगामी 1 नवम्बर को आयोजित होने वाली हरियाणा दिवस पर भी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अनोखी मूर्ति भेंट करने की इच्छा जताई है। उन्होंने बताया कि अगर मुझे मौका मिला तो मैं प्रधानमंत्री सहित अन्य मेहमानों के लिए हरियाणा से जुड़ी संस्कृति भेंट करना चाहूंगा।

दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का अनावरण करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

Publication	Navodaya Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Edition	Delhi Main
Page No.	12
Date	10th October 2016

गुड़गांव के मूर्तिकार की बनाई मूर्ति का प्रधानमंत्री ने किया अनावरण

दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का अनावरण करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। नरेश कुमार कुमावत अपने द्वारा बनाई मूर्ति को अंतिम रूप देते हुए।

गुड़गांव, 9 अक्तूबर (ब्यूरो): दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय संपूर्ण वांग्मय के लोकार्पण के मौके पर गुड़गांव स्थित मातु राम आर्ट सेंटर्स के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने अपने ट्विटर अकाउंट से भी इस मूर्ति को ट्वीट किया है। ऐसे में गुड़गांव शहर आईटी के अलावा कला एवं संस्कृति के लिए भी जाना जाएगा।

मातु राम आर्ट सेंटर्स के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने देश-विदेश सहित हजारों मूर्तियों को मूर्त रूप दिया है। महिपालपुर, रंगपुरी दिल्ली जयपुर हाईवे पर स्थित शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति भी इन्होंने ही बनाई थी। विशाल मूर्ति बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स भारत में पहला स्थान प्राप्त करता हैं। इसके अलावा कनाडा, नेपाल और मॉरीसस

देश-विदेशों में मूर्तियां बना चुके हैं नरेश कुमार कुमावत

में भी इन्होंने विशालकाय मूर्ति बनाकर हमारी संस्कृति व भारतदेश के नाम को ऊंचा किया हैं। हरियाणा सरकार द्वारा मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत को मूर्ति बनाने के लिए सम्मानित भी किया जा चुका है। मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने बताया कि एक कलाकार के कार्य को देश का प्रधानमंत्री अगर अनावरण कर रहा है तो इससे बढ़कर खुशी क्या हो सकती है। उन्होंने आगामी 1 नवम्बर को आयोजित होने वाली हरियाणा दिवस पर भी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अनोखी मूर्ति भेंट करने की इच्छा जताई है। उन्होंने बताया कि अगर मुझे मौका मिला तो मैं प्रधानमंत्री सहित अन्य मेहमानों के लिए हरियाणा से जुड़ी संस्कृति भेंट करना चाहूंगा।

Publication	Navodaya Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Edition	Delhi Main
Page No.	02
Date	10th October 2016

नवोदय टाईम्स

देश के लिए सक्षम सशस्त्र बल जरूरी

प्रधानमंत्री ने कहा, इस साल बहुत खास है विजयादशमी

पाकिस्तान को चिंता करने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली, 9 अक्तूबर (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाहिर तौर पर नियंत्रण रेखा के पार आतंकी ठिकानों पर सेना के लक्षित हमलों की ओर इशारा करते हुए आज कहा कि इस साल की विजया दशमी देश के लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा कि किसी मजबूत देश के लिए बहुत सक्षम सशस्त्र बल जरूरी हैं।

यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक समारोह में श्रोताओं की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में हम विजया दशमी मनाएंगे। इस साल की विजया दशमी देश के लिए बहुत खास है। प्रधानमंत्री के बयान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भारतीय सेना के लक्षित हमलों की पृष्ठभूमि में आए हैं।

उन्होंने बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक दशहरा पर्व के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं भी दीं। मोदी ने इस मौके पर जनसंघ के संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और सीख पर आधारित

नई दिल्ली: नरेंद्र मोदी एक कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के काम को लेकर किताब जारी करने से पहले उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए।

15 पुस्तकों का सार-संक्षेप जारी किया। भाजपा इस वर्ष उपाध्याय का जन्म शताब्दी वर्ष मना रही है।

मोदी ने कहा कि उपाध्याय का सबसे बड़ा योगदान इस तरह की अवधारणा में था कि संगठन आधारित राजनीतिक दल होना चाहिए ना कि कुछ लोगों द्वारा संचालित राजनीतिक संगठन। उपाध्याय को उद्धृत करते हुए प्रधानमंत्री ने एक मजबूत देश के लिए पूर्व आवश्यकता के रूप में असाधारण रूप से मजबूत सेना की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि देश सक्षम होना चाहिए जो आज की जरूरत है। मोदी ने कहा कि उपाध्याय कहते थे कि देश के सशस्त्र बलों को बहुत बहुत सक्षम होना चाहिए, तभी देश मजबूत हो सकता है। यह प्रतिस्पर्धा का समय है, जरूरत है कि देश सक्षम और मजबूत हो। परोक्ष रूप से पाकिस्तान का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि मजबूत होने का मतलब किसी के खिलाफ होना नहीं होता। अगर हम अपनी मजबूती के लिए अभ्यास करें तो पड़ोसी देश को यह चिंता करने की जरूरत नहीं है कि यह उस पर निशाना साधने के लिए है। मैं खुद को मजबूत करने और अपनी सेहत के लिए ही तो व्यायाम करता हूं। उपाध्याय का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि राम मनोहर लोहिया भी जनसंघ नेता के प्रयासों की बात करते थे जिसके चलते 1967 में कांग्रेस का एक विकल्प उपजा।

मोदी कहा कि एकात्म मानववाद की बात करने वाले उपाध्याय को श्रद्धांजलि देने के लिए सरकार अपनी योजनाओं में गरीब से गरीब लोगों पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि दीनदयालजी का सबसे बड़ा योगदान संगठन आधारित राजनीतिक दल होने और केवल कुछ लोगों द्वारा संचालित पार्टी नहीं होने की अवधारणा में था। यह जनसंघ और भाजपा की पहचान थी। बहुत कम समय के अंदर एक पार्टी ने विपक्ष से विकल्प की यात्रा पूरी की और यह दीनदयालजी की रखी आधारशिला पर पूरी हुई है।

Publication	Pioneer
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	05
Date	10th October 2016

पायनियर

पं. दीनदयाल की मूर्ति को नरेश ने दिया नया रंग

गुरुग्राम के मूर्तिकार द्वारा निर्मित प्रतिमा का प्रधानमंत्री ने किया अनावरण

गुरुग्राम। साइबर सिटी अब आईटी के अलावा कला एवं संस्कृति के लिए भी जाना जायेगा। नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय संपूर्ण वांग्मय के लोकार्पण के मौके पर गुरुग्राम के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का रविवार को प्रधानमंत्री ने अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने अपने ट्विटर अकाउंट से भी इस मूर्ति को ट्वीट किया हैं।

मातु राम आर्ट सेंटर्स के मूर्तिकार नरेश अब तक देश-विदेश में सैकड़ों मूर्तियों को मूर्त रूप दे चुके हैं। महिपालपुर, रंगपुरी दिल्ली जयपुर हाईवे में स्थित शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति भी नरेश ने ही बनाई है। इसके अलावा उन्होंने कनाडा, नेपाल और मोरीशस में भी विशालकाय मूर्ति बना कर भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया है। एक बातचीत के दौरान नरेश कुमार कुमावत ने बताया कि एक कलाकार के कार्य को देश का प्रधानमंत्री अगर अनावरण कर रहे हैं तो इससे बढ़कर खुशी और क्या हो सकती है। कुमावत ने 1 नवम्बर को आयोजित होने वाली हरियाणा दिवस पर भी देश के प्रधानमंत्री को अनोखी मूर्ति भेंट करने की इच्छा जताई हैं। उन्होंने बताया कि अगर मुझे मौका मिला तो मैं प्रधानमंत्री सहित अन्य मेहमानों के लिए हरियाणा से जुड़ी संस्कृति जरूर भेंट करना चाहूंगा। हरियाणा सरकार मूर्तिकार नरेश सम्मानित भी कर चुकी हैं।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में अनावरण से पूर्व पंड़ित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति को अंतिम रूप देते मूर्तिकार नरेश कुमार।

PR PROFESSIONALS
Race for Excellence

Publication	National Duniya
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	05
Date	10th October 2016

नेशनल दुनिया

प्रधानमंत्री ने किया पं. दीनदयाल की प्रतिमा का अनावरण, गुड़गांव के मूर्तिकार ने बनाई मूर्ति

नेशनल दुनिया

गुड़गांव। रविवार को एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का अनावरण किया गया। इस मूर्ति का निर्माण गुड़गांव के जाने माने मूर्तिकार रमेश कुमार कुमावत ने किया है।

विज्ञान भवन में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय संपूर्ण वांग्मय के लोकार्पण के मौके पर गुड़गांव के मूर्तिकार मातु राम आर्ट सेंटर्स के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का रविवार को प्रधानमंत्री ने अनावरण किया।

उल्लेखनीय है कि महिपालपुर रंगपुरी दिल्ली जयपुर हाईवे पे स्थित शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति भी रमेश कुमार कुमावत ने ही बनाई है। कनाडा, नेपाल और मारीसस में भी इन्होने विशालकाय मूर्ति बना कर देश का नाम रौशन किया है।

विशाल मूर्ति बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स देश का पहला मूर्ति निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित होता जा रहा है। इससे न केवल रमेश कुमार कुमावत खुश है बल्कि साईबर सिटी के रुप में अपनी पहचान दुनिया में कायम करने वाला गुड़गांव अब कला और संस्कृति के रुप में भी जाना जाएगा इसको लेकर गुड़गांव वासी भी प्रसन्न है।

इस मौके पर खुशी जताते हुए मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत कहते हैं कि उनकी बनाई हुई मूर्ति को देश के प्रधानमंत्री ने अनावरण करके उनकी साधना का असली पुरस्कार दिया है।

दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति को अंतिम रूप देते गुड़गांव के मूर्तिकार रमेश कुमार। मूर्ति का अनावरण करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

Publication	Gurgaon Today
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	03
Date	10th October 2016

गुड़गांव टुडे

दीनदयाल की मूर्ति का अनावरण

टुडे रिपोर्टर, गुड़गांव

यहां के मूर्तिकार द्वारा निर्मित मूर्ति का प्रधानमंत्री ने अनावरण किया।

दीनदयाल उपाध्याय संपूर्ण वांग्मय के लोकार्पण के मौके पर दीनदयाल की मूर्ति का अनावरण हुआ।

साइबर सिटी गुड़गांव आज से आईटी के अलावा कला एवं संस्कृति के लिए भी जाना जाएगा। विज्ञान भवन में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय संपूर्ण वांग्मय के लोकार्पण के मौके पर गुड़गांव के मूर्तिकार ए मातु राम आर्ट सेंटर्स के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का रविवार को प्रधानमंत्री ने अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने अपने ट्विटर अकाउंट से भी इस मूर्ति को ट्वीट किया हैं।

मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने देश विदेश सहित हजारों मूर्तियों को मूर्त रूप दिया हैं। महिपालपुर, रंगपुरी दिल्ली जयपुर हाईवे स्थित शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति भी इन्होंने ही बनाई हैं। विशाल मूर्ति बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स भारत में पहला स्थान प्राप्त करता हैं। कनाडा , नेपाल और मौरीसस में भी इन्होंने विशालकाय मूर्ति बना कर हमारी संस्कृति को ऊंचा किया हैं। इस मौके पर खुशी जताते हुए कुमावत ने बताया कि एक कलाकार के कार्य को देश का प्रधानमंत्री अगर अनावरण कर रहा है तो इससे बढ़ कर खुशी क्या हो सकती हैं । कुमावत ने 1 नवंबर को होने वाले हरियाणा दिवस पर भी देश के प्रधानमंत्री को को अनोखी मूर्ति भेंट करने की इच्छा जताई हैं। उन्होंने बताया कि अगर मुझे मौका मिला तो मैं प्रधानमंत्री सहित अन्य मेहमानों के लिए हरियाणा से जुड़ी संस्कृति जरुर भेंट करना चाहूंगा।

Publication	Gurgaon Mail
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	03
Date	10th October 2016

गुड़गांव मेल

गुडगाँव के मूर्तिकार की मूर्ति का प्रधानमंत्री ने किया अनावरण

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 9 अक्तूबर। साइबर सिटी गुडगाँव आज से आईटी के अलावा कला एवं संस्कृति के लिए भी जाना जायेगा विज्ञान भवन में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय संपूर्ण वांग्मय के लोकार्पण के मौके पर गुडगाँव के मूर्तिकार , मातु राम आर्ट सेंटर्स के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गयी दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का आज प्रधानमंत्री ने अनावरण किया प्रधानमंत्री ने अपने ट्विटर अकाउंट से भी इस मूर्ति को ट्वीट किया हैं। मातु राम आर्ट सेंटर्स के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने देश विदेश सहित हजारों मूर्तियों को मूर्त रूप दिया हैं. महिपालपुर , रंगपुरी दिल्ली जयपुर हाईवे पे स्थित शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति भी इन्होने ही बनाई हैं

विशाल मूर्ति बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स भारत पे पहला स्थान प्राप्त करता हैं कनाडा , नेपाल और मौरीसस में भी इन्होने विशालकाय मूर्ति बना कर हमारी संस्कृति को उचा किया हैं इस मौके पर खुशी जताते हुए

मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने बताया की एक कलाकार के कार्य को देश का प्रधानमंत्री अगर अनावरण कर रहा है

तो इससे बढ़ कर ख़ुशी क्या हो सकती हैं नरेश कुमार कुमावत ने 1 नवम्बर को आयोजित होने वाली हरियाणा दिवस पर भी देश के प्रधानमंत्री को को अनोखी मूर्ति भेट करने की इक्षा जताई हैं

उन्होंने बताया की अगर मुझे मौका मिला तो मैं प्रधानमंत्री सहित अन्य मेहमानों के लिए हरियाणा से जुडी संस्कृति जरुर भेट करना चाहूँगा हरियाणा सरकार मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत को मूर्ति बनाने के लिए सम्मानित भी कर चूका हैं

Publication	Sach Kahoon
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No.	01
Date	10th October 2016

सच कहूँ

प्रतिभा

पीएम मोदी ने किया है मूर्ति का अनावरण

विदेशों में भी अपनी कला का लोहा मनवा चुके हैं नरेश

- विदेशों में भी मूर्तियां बनाकर मशहूर है मूर्तिकार नरेश

गुरुग्राम(संजय मेहरा)।

गुरुग्राम के मूर्तिकार द्वारा बनाई गई दीनदयाल उपाध्यक्ष की प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को किया। साथ ही पीएम ने इस मूर्ति को लेकर ट्विट भी किया है। देश से लेकर विदेशों तक में मूर्तियां बनाकर अपनी कला का लोहा मनवा चुके हैं मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत।

अभी तक सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी माना जाने वाला गुरुग्राम अब कला के क्षेत्र से भी जाना जाएगा। यह सारा श्रेय मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत को जाता है। रविवार को विज्ञान भवन में आयोजित दीनदयाल उपाध्यक्ष संपूर्ण वांग्मय के लोकर्पण समारोह में इस मूर्ति का अनावरण प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। मातु राम आर्ट सेंटर्स नाम के मूर्तिकार नरेश कुमार के हाथों बनी इस प्रतिमा को लेकर खुद पीएम ने भी ट्विट किया है। मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने देश-विदेश में हजारों मूर्तियों को मूर्त रूप दिया हैं। महिपालपुर, रंगपुरी दिल्ली जयपुर हाईवे स्थित शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति भी इन्होंने ही बनाई है। विशाल मूर्ति बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स भारत में पहला स्थान प्राप्त करता हैं। कनाडा, नेपाल और मॉरिशस में भी इन्होने विशालकाय मूर्ति बना कर हमारी संस्कृति को ऊंचा किया हैं।

इस मौके पर खुशी जताते हुए मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत ने बताया की एक कलाकार के कार्य को देश का प्रधानमंत्री अगर अनावरण कर रहा है तो इससे बढ़कर खुशी क्या हो सकती हैं। नरेश कुमार कुमावत ने एक नवम्बर को आयोजित होने वाली हरियाणा दिवस पर भी देश के प्रधानमंत्री को अनोखी मूर्ति भेंट करने की इच्छा जताई हैं।

गुरूग्राम। नई दिल्ली के विज्ञान भवन मे लगाई गई दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति के अनावरण से पूर्व अंतिम रुप देता मूर्तिकार नरेश कुमार।

Live हिन्दुस्तान .com

http://www.livehindustan.com/news/ncr/article1-naresh-work-6-6-hours-a-day-in-35-days-for-make-pandit-deen-dayal-upadhyayas-statue-574227.html

35 दिन तक 6-6 घंटे काम कर नरेश ने बनाई प्रतिमा

रविवार को विज्ञान भवन में पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जन्मशती वर्ष के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंड़ित पर लिखे गए सम्पूर्ण वांग्मय लोकार्पण और उन पर निर्मित प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा गुड़गांव के डीएलएफ फेज दो निवासी 38 वर्षीय नरेश कुमावत ने बनाई थी। नरेश कहते हैं आज का दिन उन्हें जीवन भर स्मरण रहेगा।

जनसंघ विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा बनाने में मातु राम आर्ट सेंटर्स मानेसर के मूर्तिकार नरेश कुमार कुमावत को 35 दिन लगे। इन 35 दिन में उन्होंने प्रतिदिन 5 से 6 घंटे कार्य किया। बकौल नरेश कुमार,'पंडित दीन दयाल उपाध्याय की ज्यादा संख्या में वास्तवित तस्वीरे नहीं है। बड़ी मुश्किलें से 5-6 पिच्चर मिली जिससे त्री आयामी प्रतिमा बनाना कठिन तो होता ही है।'

पंडित दीन दयालय उपायध्याय के विचारों से प्रभावित नरेश कुमार कुमावत ने आखिकार यह प्रतिमा तैयार कर ली। प्रतिमा को फाइबर ग्लास की मदद से बनाया गया जिस पर अष्टधातु की परत चढ़ाई गई। उसके पश्चात उसे रंगा गया। बकौल नरेश,'इससे प्रतिमा की उम्र बढ़ जाती है।'उमेश पिछले एक दशक से फाइबर ग्लास और धातु के मिश्रण के प्रतिमाएं बना रहे हैं। 50 किलोग्राम की यह प्रतिमा 22 इंच ऊंची है जबकि इसका आधार स्तंभ साढे तीन फीट का है। एक नवंबर को हरियाणा दिवस पर गुड़गांव के समारोह में प्रधानमंत्री मुख्य अतिथि हैं। नरेश ने इस अवसर प्रधानमंत्री को अनोखी प्रतिमा भेंट करने की योजना बनाई है। सनद रहे कि हरियाणा सरकार नरेश को मूर्ति बनाने के लिए सम्मानित भी कर चुकी है।

Continued to next page>>

नहीं लिया कोई शुल्क

पंडित दीन दयाल उपाध्याय के प्रति उनका लगाव ही था कि उन्होंने इस प्रतिमा निर्माण के लिए कोई शुल्क भी नहीं लिया। वह कहते हैं कि,' पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने निर्धनता मुक्त,भेदभाव मुक्त और शोषण मुक्त समाज की कल्पना की थी। पंडित जी का राजनीतिक चिंतन गरीबों पर केंद्रीत था। मेरे लिए यह गौरव की बात है कि मुझे इतने बडे कार्य के लिए चुना गया, प्रतिमा का न केवल देश के प्रधानमंत्री ने अनावरण किया बल्कि कलाकृति को सराहा भी।'

बिरासत में मिली मूर्तिकला

मूल रूप से राजस्थान के झुंझुनू जिले के पिलानी कस्बा के निवासी नरेश कुमार पिछले 15 सालों से गुडगांव में ही रह रहे हैं। उनके पिता 75 वर्षीय मूर्तिकार मातूराम राम की बनाई प्रतिमाएं देश विदेश में प्रतिष्ठित स्थानों पर लगाई गई हैं। उन्हें आदमकद प्रतिमा बनाने में महारत हासिल है। नरेश के दादा जी स्वर्गीय हनुमान प्रसाद भी सीकर के राजघराने के मूर्तिकार थे। यूं कहे कि नरेश कुमार को मूर्तिकला विरासत में मिली है तो गलत नहीं होगा।